सं० स्रो० वि०/यमुना/107-86/25062--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० द्राजाद धातु उद्योग, जगाधरी के श्रमिक श्री मोहन लाल, पुत्र श्री बाबू राम माफंत डा० सुरेन्द्र कुमार शर्मा, इन्टक स्राफिस वराहमण धर्मशाला, रेलवे रोड़, जगाधरी तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रोद्योगिक दिवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिये, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की द्यारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना मं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1984 द्वारा उनत ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से मुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री मोहन लाल की सेवा समाप्त की गई है या वह स्वय गैरहाजिर हो रहा है? इस विन्दु पर निर्णय के फलस्यरूप वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो वि । पानी 32-86 25068 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं । भारत बूलन मिलज, पानीपत, के श्रीमक श्री राम मेहर, पुत्र श्री सुखी राम, मार्फत इजिनियरिंग एण्ड टक्सटाईल वर्करज यूनियन, पानीपत, तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है ;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायितणीय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद श्रिष्टिनयम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिष्टिसूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 श्रिश्रल, 1984 द्वारा उक्त ग्रिष्टिसूचना की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला, की विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रिमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री राम मेहर की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? दिनांक 17 जुलाई, 1986

सं श्रो वि । यमुना | 105-86 | 25460 -- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं श्राजाद धातु उद्योग जगाधरी, के श्रमिक श्री राम लाल, पुत श्री ज्योती राम मार्फत डा. सुरेन्द्र कुमार शर्मा इन्टक ग्रीफिस वराहमण धर्मशाला, रेल में रोड़, जगाधरी तया उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेनु निर्दिश्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इस लिये, अव, श्रीयोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) हारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रीधसूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1984 हारा उकत ग्रीधसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रयवा सम्बन्धित मामला है:—

वया श्री राम लाल की सेवा समाप्त की गई है या वह स्वय गैरहाजिर हो रहा है ? इस बिंदु पर निर्णय के फ़लस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो वि /एफ बी । 28-86 | 25466 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि में अरीदावाद फोजिंग प्रा. लि., प्लाट नं 54, सेक्टर 6, फरीदावाद, के श्रमिक श्री सुरेश कुमार, पृत्र श्री मूल चन्द गांव व डा बोकनाना, तहसील नारनील (महेन्द्रगढ़), तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधसूचना सं० 5415—3—श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए श्रिधसूचना सं० 11495—जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिधसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा यामला न्यायनिर्णव एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मासला है:—

क्या श्री सुरेन्द्र कुमार की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं त्याग पत्र दें कर नौकरी छोड़ी है ? इस बिन्दू पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार ?